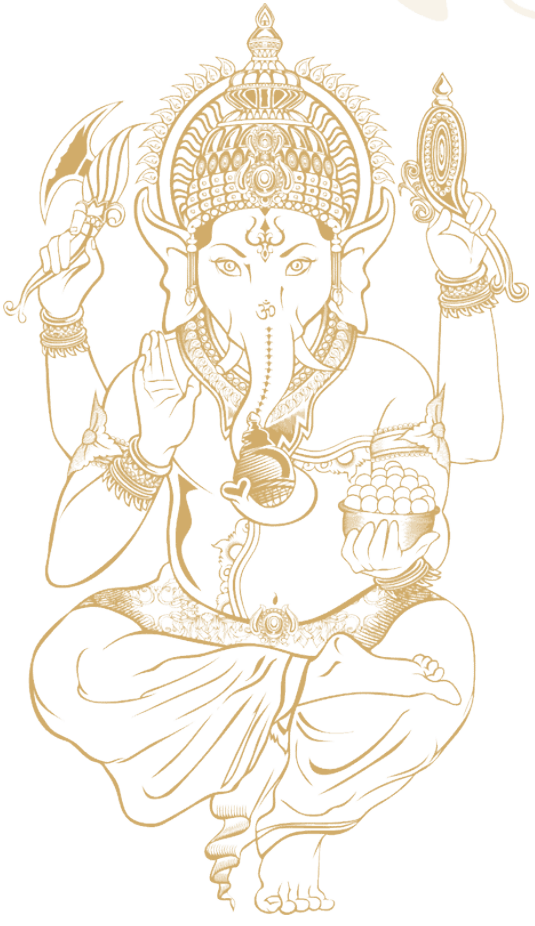

Neeraj sharma

28 Jul 2004

04:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121325302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/07/2004**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	57:42:59 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	00:47:44 घंटे
सूर्योदय	05:39:48 घंटे
सूर्यास्त	19:15:00 घंटे
दिनमान	13:35:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:18:44 कर्क
लग्न के अंश	28:40:12 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	28:40:12	309:19:02	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	11:18:44	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	18:24:35	14:36:27	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	27:34:23	00:37:53	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			सिंह	08:23:09	00:54:23	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	23:53:41	00:11:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृष	27:38:01	00:44:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	25:23:44	00:07:36	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	13:03:11	00:04:08	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	13:03:11	00:04:08	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:02:52	00:01:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:19:25	00:01:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:54:55	00:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मीन	19:03:08	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:06

लग्न-चलित

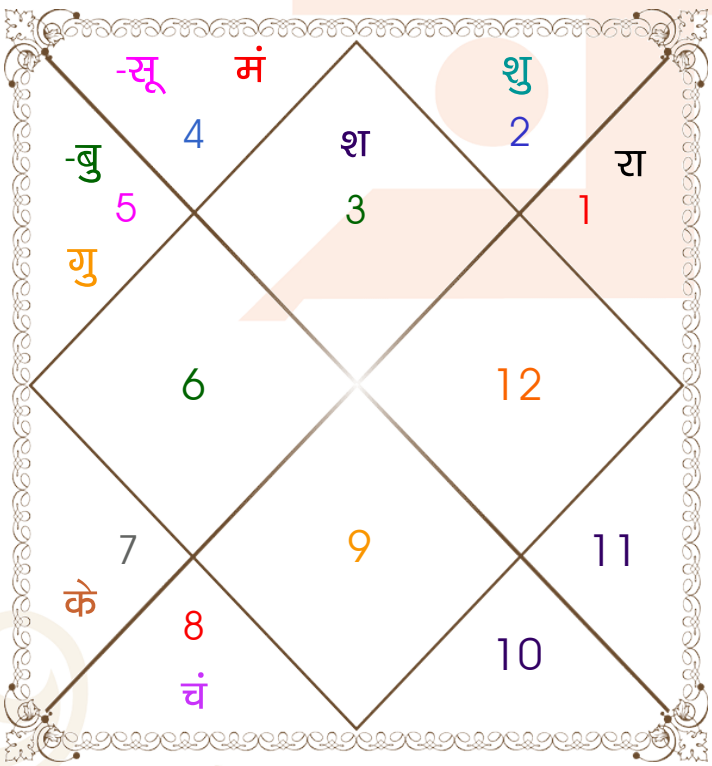

चन्द्र कुंडली

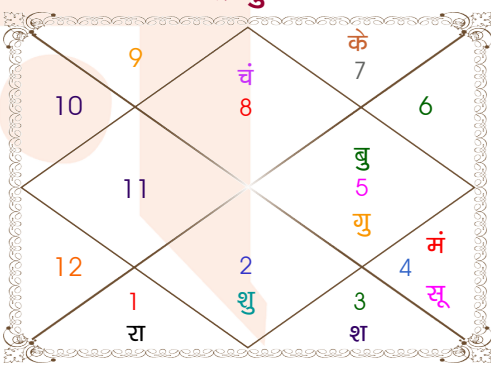

नवमांश कुंडली

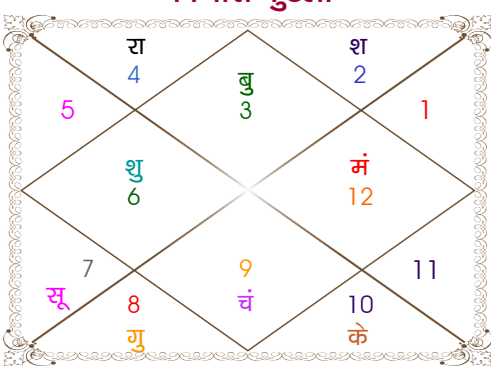

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 9 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/07/2004		08/05/2019		08/05/2026		08/05/2046		07/05/2052	
08/05/2019		08/05/2026		08/05/2046		07/05/2052		08/05/2062	
बुध	04/10/2004	केतु	04/10/2019	शुक्र	06/09/2029	सूर्य	26/08/2046	चंद्र	08/03/2053
केतु	01/10/2005	शुक्र	03/12/2020	सूर्य	07/09/2030	चंद्र	24/02/2047	मंगल	07/10/2053
शुक्र	01/08/2008	सूर्य	10/04/2021	चंद्र	07/05/2032	मंगल	02/07/2047	राहु	08/04/2055
सूर्य	07/06/2009	चंद्र	09/11/2021	मंगल	08/07/2033	राहु	26/05/2048	गुरु	07/08/2056
चंद्र	07/11/2010	मंगल	08/04/2022	राहु	07/07/2036	गुरु	14/03/2049	शनि	08/03/2058
मंगल	04/11/2011	राहु	26/04/2023	गुरु	08/03/2039	शनि	24/02/2050	बुध	08/08/2059
राहु	23/05/2014	गुरु	01/04/2024	शनि	08/05/2042	बुध	31/12/2050	केतु	08/03/2060
गुरु	28/08/2016	शनि	11/05/2025	बुध	08/03/2045	केतु	08/05/2051	शुक्र	06/11/2061
शनि	08/05/2019	बुध	08/05/2026	केतु	08/05/2046	शुक्र	07/05/2052	सूर्य	08/05/2062

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/05/2062		08/05/2069		08/05/2087		09/05/2103		09/05/2122	
08/05/2069		08/05/2087		09/05/2103		09/05/2122		00/00/0000	
मंगल	04/10/2062	राहु	19/01/2072	गुरु	25/06/2089	शनि	12/05/2106	बुध	29/07/2124
राहु	23/10/2063	गुरु	13/06/2074	शनि	07/01/2092	बुध	19/01/2109		00/00/0000
गुरु	28/09/2064	शनि	19/04/2077	बुध	14/04/2094	केतु	28/02/2110		00/00/0000
शनि	06/11/2065	बुध	07/11/2079	केतु	21/03/2095	शुक्र	30/04/2113		00/00/0000
बुध	04/11/2066	केतु	24/11/2080	शुक्र	19/11/2097	सूर्य	12/04/2114		00/00/0000
केतु	02/04/2067	शुक्र	25/11/2083	सूर्य	07/09/2098	चंद्र	11/11/2115		00/00/0000
शुक्र	01/06/2068	सूर्य	19/10/2084	चंद्र	07/01/2100	मंगल	20/12/2116		00/00/0000
सूर्य	07/10/2068	चंद्र	20/04/2086	मंगल	14/12/2100	राहु	27/10/2119		00/00/0000
चंद्र	08/05/2069	मंगल	08/05/2087	राहु	09/05/2103	गुरु	09/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।